MP Board Class 10th Sanskrit Solutions Durva Chapter 17 चाणक्यनीतिः

प्रश्न 1.
एकपदेन उत्तरं लिखत-(एक पद में उत्तर लिखिए)।
(क) रविः केन तपते? (सूर्य को कौन तपाता है?)
उत्तर:
सत्येन (सत्य के द्वारा)

(ख) दरिद्रता कया विरानंते? (दरिद्रता किससे सुशोभित होती हैं?)
उत्तर:
धीरतया (धैर्य धारण करने के द्वारा)

(ग) कर्मानुसारिणी का? (कर्म का अनुसरण कौन करती
है?)
उत्तर:
बुद्धिः (बुद्धि)

(घ) केन शर्वरी आह्लादिता? (किससे रात खुश होती है?)
उत्तर:
चन्द्रेण (चन्द्रमा से)

(ङ) कुरूपता कया विराजते? (कुरूपता किससे सुशोभित होती है?)
उत्तर:
शीलतया (सदाचरण से)

प्रश्न 2.
एकवाक्येन उत्तरं लिखत-(एक वाक्य में उत्तर लिखिए)
(क) वाचा किं न प्रकाशयेत्? (वाणी से क्या प्रकट नहीं करना चाहिए?)
उत्तर:
मनसा चिन्तितं कार्यं वाचा न प्रकाशयेत्। (मन से सोचे हुए काम को वाणी से प्रकट नहीं करना चाहिए।)

(ख) कैः पुत्राः विविधैः शीलैः नियोज्याः? (किसके द्वारा पुत्रों को विभिन्न सदाचरणों द्वारा लगाना चाहिए?)
उत्तर:
बुधैः पुत्राः विविधैः शीलैः नियोज्याः।। (विद्वानों के द्वारा पुत्र को विभिन्न सदाचरणों द्वारा लगाना चाहिए!)

(ग) कः सर्ववस्तुषु हीनः? (कौन सब वस्तुओं में हीन है?)
उत्तर:
विद्यारत्नेन हीनः सर्ववस्तुषु हीनः। (विद्या रूपी रत्न से हीन सब वस्तुओं में हीन है।)

(घ) कुलीनः दीनोऽपि कान् न त्यजति? (दीन होते हुए भी कुलीन क्या नहीं छोड़ता है?)
उत्तर:
कुलीनः दीनोऽपि शीलगुणान् न त्यजति। (दीन होते हुए भी कुलीन शीलगुणों को नहीं छोड़ते।)

(ङ) छिन्नोऽपि चन्दनतरुः किं न जहाति? (कटने पर भी चन्दन का पेड़ क्या नहीं छोड़ता?)
उत्तर:
छिन्नोऽपि चन्दनतरुः गन्धं न जहाति। (कटने पर भी चन्दन का पेड़ खुशबू नहीं छोड़ता है।)

प्रश्न 3.
अधोलिखितप्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत-(नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिर-)
(क) सत्येन सर्वं कथं प्रतिष्ठितम् ? (सत्य से सब कैसे स्थित है?)
उत्तर:
पृथ्वी सत्येन धार्यते, रविः सत्येन तपते, वायुः सत्येन वाति। अनेन प्रकारेण सर्वं सत्येन प्रतिष्ठितम्। (सत्य के द्वारा पृथ्वी धारण की जाती है, सूर्य उष्णता प्रदान करता है, वायु बहती है। इस प्रकार सब सत्य के द्वारा ही स्थित है।)

(ख) किमर्थं बुधैः पुत्राः विविधैः शीलैः नियोज्याः? (किसलिए विद्वानों के द्वारा पुत्रों को शील आचरण में लगाना चाहिए?)
उत्तर:
बुधैः पुत्राः विविधैः शीलैः नियोज्या यतो हि शीलसम्पन्नाः नीतिज्ञाः कुलपूजिताः भवन्ति। (विद्वानों के द्वारा पुत्रों को विभिन्न सदाचरणों द्वारा लगाना चाहिए क्योंकि सदाचार से युक्त नीतिशास्त्र के ज्ञाता कुल में पूजे जाते हैं।)

(ग) पदे-पदे केषां सम्पदः सुः? (कदम-कदम पर किन
को खुशियाँ होती हैं?)
उत्तर:
येषां सतां हृदये परोपकरणं जागति, तेषां पदे-पदे सम्पदः स्युः। (जिन सज्जनों के मन में परोपकार की भावना जागृत रहती है, उनके कदम-कदम पर खुशियाँ होती हैं।)

प्रश्न 4.
प्रदत्तशब्दैः रिक्तस्थानानि पूरयत (दिए गए शब्दों से रिक्त स्थान भरिए-)
(गूढम्, सत्ये, धनहीनो, लीलाम्, सविद्यानाम्)
(क) सर्वं ..... प्रतिष्ठितम्।
मन्त्रेण रक्षयेद् .....।
(ग) को विदेशः .....।
(घ) ..... न हीनश्च।
(ङ) वृद्धोऽपि वारणपतिर्न जहाति .....
उत्तर:
(क) सत्ये
(ख) गूढम्
(ग) सविद्यानाम्
(घ) धनहीनो
(ङ) लीलाम्

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 5.
यथायोग्यं योजयत-(उचित क्रम से जोडिए-)

'अ'	'आ'
(क) दरिद्रता	1. इक्षुः
(ख) कदन्नता	2. शीलतया
(ग) कुवस्त्रता	3. धीरतया
(घ) कुरूपता	4. उष्णतया
(ङ) मधुरताम्	5. शुभ्रतया

उत्तर:
(क) 3
(ख) 4
(ग) 2
(ड) 1

प्रश्न 6.
शुन्द्रवाक्यानां समक्षम् जाम् अशुद्धवाक्यानां समक्षम् "न" इति तिखत-)
(शुद्ध वाक्यों के सामने 'आम्' और अशुद्ध वाक्यों के सामने 'न' लिखिए)
(क) सत्येन वायुः वाति।
(ख) प्रियवादिना कोऽपि न परः।
(ग) कदन्नता उष्णतया न विराजते।
(घ) कर्मायत्तं पुंसां फलम्।
(ड) छिन्नः चन्दनतरुः गन्धं जहाति।
उत्तर:
(क) आम्
(ख) आम्
(ग) न
(घ) आम्
(ङ) न।

प्रश्न 7.
अधोलिखितशब्दानां मूलशब्दं विभक्तिं वचनञ्च लिखत
(नीचे लिखे शब्दों के मूलशब्द, विभक्ति और वचन लिखिए)

	शब्दः	मूलशब्दः	विभक्तिः	वचनम्
यथा–	पुत्राः	पुत्र	प्रथमा	बहुवचनम्
(क)	सत्येन			
(ख)	सप्तर्थानाम्			
(ग)	मधुरताम्			
(घ)	हृदये			

उत्तर:

	शब्दः	मूलशब्दः	विभक्तिः	वचनम्
(क)	सत्येन	सत्य	तृतीया	एकवचनम्
(ख)	समर्थानाम्	समर्थ	षष्ठी	बहुवचनम्
(ग)	मधुरताम्	मधुरता	द्वितीया	एकवचनम्
(घ)	हृदये	हृदय	सप्तमी	एकवचनम्

प्रश्न 8.
निम्नलिखितक्रियापदानां धातुं लकारं पुरुषं ववनं च लिखत
(नीचे लिखे क्रियापदों के धातु, लकार, पुरुष और वचन लिखिए-)

	क्रियापदम्	धातुः	लकारः	पुरुषः	वचनम्
यथा–	भवन्ति	भू (भव्)	लट्	प्रथमपुरुषः	बहुवचनम्
(क)	धार्यते				
(ख)	रक्षयेत्				
(ग)	विराजते				
(घ)	स्युः				

उत्तर:

	क्रियापदम्	धातुः	लकारः	पुरुषः	वचनम्
(क)	धार्यते	धृ	लट्लकारः	प्रथमपुरुषः	एकवचनम्
(ख)	रक्षयेत्	रक्ष्	विधिलिङ्	प्रथमपुरुषः	एकवचनम्
(ग)	विराजते	वि+राज्	लट्	प्रथमपुरुषः	एकवचनम्
(घ)	स्युः	अस्	विधिलिङ्	प्रथमपुरुषः	बहुवचनम्

प्रश्न 9.
अधोलिखितपदानां सन्धिविच्छेदं कृत्वा सन्धिनाम लिखत
(नीचे लिखे पदों के सन्धि-विच्छेद करके सन्धि का नाम लिखिए-)

	पदम्		विच्छेदः	सन्धिनाम
यथा–	वायुश्च	=	वायुः+च	विसर्गसन्धिः
(क)	कर्मानुसारिणी			
(ख)	वृद्धोऽपि			
(ग)	एकेनाऽपि			
(घ)	विपदस्तेषाम्			

उत्तर:

https://www.evidyarthi.in/

(क)	कर्मानुसारिणी	कर्म+अनुसारिणी	दीर्घ सन्धि
(ख)	वृद्धोऽपि	वृद्धः+अपि	पूर्वरूप सन्धि
(ग)	एकेनाऽपि	एकेन+अप	दीर्घ सन्धि
(घ)	विपदस्तेषाम्	विपदः+तेषाम्	विसर्ग सन्धि

प्रश्न 10.
अधोलिखितसमासानां विग्रहं कृत्वा समासनाम लिखत
(नीचे लिखे समासों को विग्रह कर समास का नाम लिखिए-)

यथा–	धनहीनः	धनेनहीनः	तृतीया तत्पुरुषः
(क)	सविद्यानाम्		
(ख)	वारणपतिः		
(ग)	कुलपूजिताः		
(घ)	विद्यारत्नेन		

उत्तर:

(क)	सविद्यानाम्	विद्यया युक्ताः तेषाम्	षष्ठी तत्पुरुष
(ख)	वारणपतिः	वारणानाम् पति	षष्ठी तत्पुरुष
(ग)	कुलपूजिताः	कुलेन (कुले) पूजिताः ताः	तृतीया (सप्तमी) तत्पुरुष
(घ)	विद्या रत्नेन	विद्या इव रत्नेन	कर्मधारय

प्रश्न 11.
प्रदत्तश्लोकान्वयस्य पूर्तिं कुरुत
(दिए गए श्लोक का अन्वय पूरा कीजिए-)
बुधैः ..... विविधैः शीलैः
(यतो हि) ..... नीतिज्ञाः .....भवन्ति।
उत्तर:
बुधैः पुत्रा. विविधैः शीलैः सततं नियोज्याः।
(यतो हि) शीलसम्पन्नाः नीतिज्ञाः कुलपूजिताः भवन्ति।